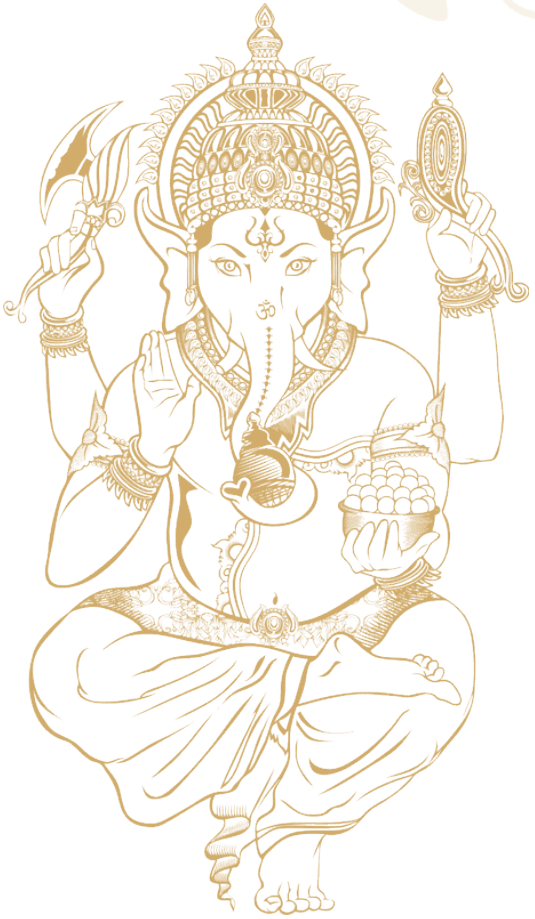

Deepak shrotriya

16 Mar 2009

07:34 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121531502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/03/2009**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:34:52 घंटे**
इष्ट	02:41:59 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:13:44 घंटे
वेलान्तर	-00:08:38 घंटे
साम्पातिक काल	18:48:56 घंटे
सूर्योदय	06:30:04 घंटे
सूर्यास्त	18:29:56 घंटे
दिनमान	11:59:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:37:55 मीन
लग्न के अंश	23:20:20 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	हर्षण
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	23:20:20	502:16:23	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			मीन	01:37:55	00:59:45	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	02:16:44	12:21:07	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			कुंभ	06:45:10	00:46:59	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	18:08:22	01:44:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मक	21:57:02	00:12:31	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	19:38:48	00:23:00	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	23:48:56	00:04:43	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मक	14:06:12	00:05:02	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	14:06:12	00:05:02	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	28:47:22	00:03:26	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
नेप			कुंभ	01:06:11	00:02:02	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
प्लूटो			धनु	09:12:27	00:00:38	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			धनु	17:15:50	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:22

लग्न-चलित

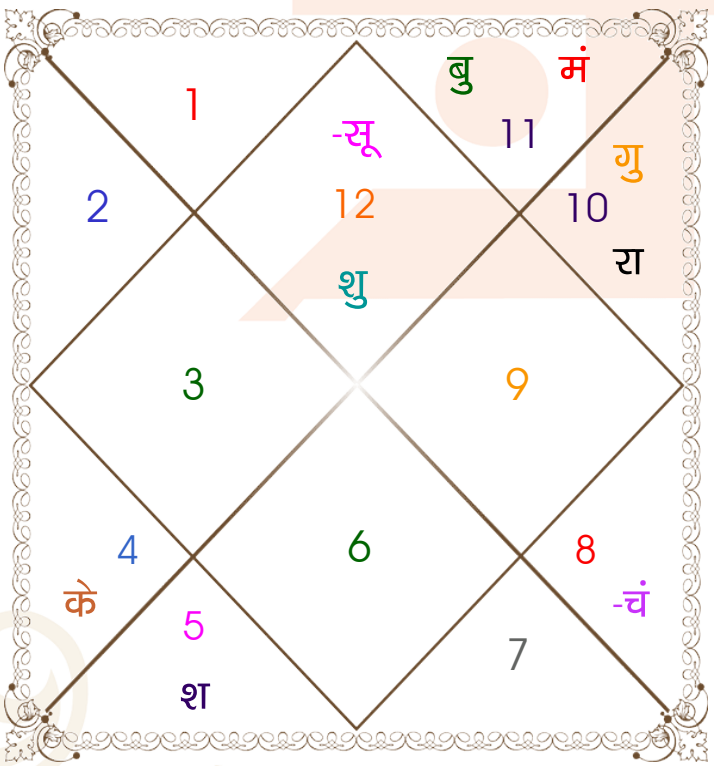

चन्द्र कुंडली

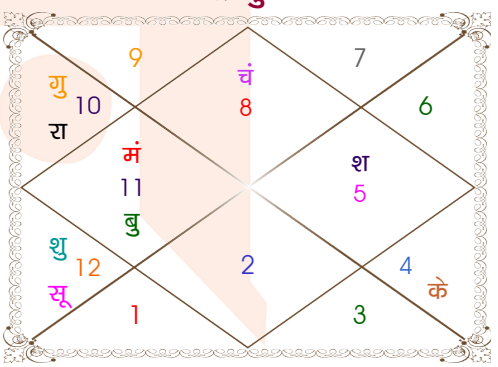

नवमांश कुंडली

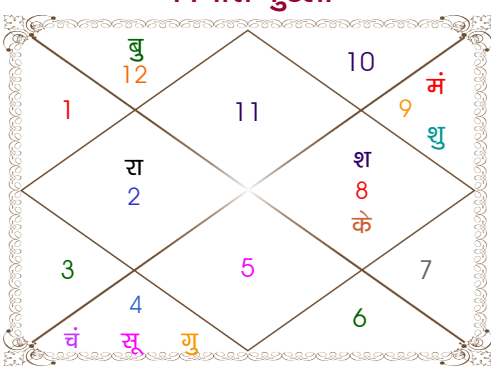

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 3 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/03/2009		21/06/2010		21/06/2029		21/06/2046		21/06/2053	
21/06/2010		21/06/2029		21/06/2046		21/06/2053		21/06/2073	
	00/00/0000	शनि	24/06/2013	बुध	17/11/2031	केतु	17/11/2046	शुक्र	20/10/2056
	00/00/0000	बुध	03/03/2016	केतु	14/11/2032	शुक्र	17/01/2048	सूर्य	20/10/2057
	00/00/0000	केतु	12/04/2017	शुक्र	14/09/2035	सूर्य	24/05/2048	चंद्र	21/06/2059
	00/00/0000	शुक्र	11/06/2020	सूर्य	21/07/2036	चंद्र	23/12/2048	मंगल	20/08/2060
	00/00/0000	सूर्य	24/05/2021	चंद्र	20/12/2037	मंगल	21/05/2049	राहु	21/08/2063
	00/00/0000	चंद्र	24/12/2022	मंगल	18/12/2038	राहु	09/06/2050	गुरु	21/04/2066
	00/00/0000	मंगल	01/02/2024	राहु	06/07/2041	गुरु	16/05/2051	शनि	21/06/2069
	16/03/2009	राहु	08/12/2026	गुरु	12/10/2043	शनि	23/06/2052	बुध	21/04/2072
राहु	21/06/2010	गुरु	21/06/2029	शनि	21/06/2046	बुध	21/06/2053	केतु	21/06/2073

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/06/2073		21/06/2079		21/06/2089		20/06/2096		22/06/2114	
21/06/2079		21/06/2089		20/06/2096		22/06/2114		17/03/2129	
सूर्य	08/10/2073	चंद्र	21/04/2080	मंगल	17/11/2089	राहु	04/03/2099	गुरु	09/08/2116
चंद्र	09/04/2074	मंगल	20/11/2080	राहु	05/12/2090	गुरु	28/07/2101	शनि	20/02/2119
मंगल	15/08/2074	राहु	22/05/2082	गुरु	11/11/2091	शनि	03/06/2104	बुध	28/05/2121
राहु	09/07/2075	गुरु	21/09/2083	शनि	20/12/2092	बुध	22/12/2106	केतु	04/05/2122
गुरु	27/04/2076	शनि	21/04/2085	बुध	17/12/2093	केतु	09/01/2108	शुक्र	02/01/2125
शनि	09/04/2077	बुध	20/09/2086	केतु	15/05/2094	शुक्र	09/01/2111	सूर्य	21/10/2125
बुध	13/02/2078	केतु	21/04/2087	शुक्र	16/07/2095	सूर्य	04/12/2111	चंद्र	20/02/2127
केतु	21/06/2078	शुक्र	20/12/2088	सूर्य	20/11/2095	चंद्र	03/06/2113	मंगल	27/01/2128
शुक्र	21/06/2079	सूर्य	21/06/2089	चंद्र	20/06/2096	मंगल	22/06/2114	राहु	17/03/2129

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 3 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।